Activity (8)

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र

प्रैस-नोट

दयानन्द महिला महाविद्यालय, कुरुक्षेत्र में आज दिनांक 08.09.17 को **राष्ट्रीय साक्षरता दिवस** के उपलक्ष्य में **राष्ट्रीय सेवा योजना** के द्वारा **राष्ट्र निर्माण में स्त्री शिक्षा का योगदान विषय** पर विस्तार भाषण का आयोजन कराया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह उपस्थित रही। उन्होंने छात्राओं को साक्षरता दिवस के महत्त्व से परिचित कराते हुए कहा कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यही है कि कोई भी विश्व में निरक्षर न रहे। साक्षर होना लिपि के ज्ञान से परिचित होना है। किन्तु इसी लिपि के ज्ञान को समाज में प्रसारित करना भी हमारा ध्येय है। शिक्षा हमें एक भाव प्रदान करती है- विनम्रता। यदि यह भाव व्यक्ति के पास होता है तो वह स्वयं को किसी भी ढांचे में ढाल सकता हैं। ईश्वर ने समान रूप सभी को बुद्धि एवं गुण निधि प्रदान की है। शिक्षा ही ऐसा स्रोत है जो इन गुणों को तराशने का कार्य करती है। उस शिक्षा से हमारा परिचय कराने वाला शिक्षक होता है। जिसका यह दायित्व होता है कि वह अपने छात्र को स्वाभिमानी, दृढ़-संकल्पी एवं आत्म-विश्वासी बनाए। एक बालक के लिए प्रथम गुरू माँ को कहा गया है। विश्व का श्रेष्ठ वक्ता चाहे कोई भी हो, किन्तु उसे शब्द देने वाली माँ ही होती है। वह न केवल एक घर को अपितु अपने साथ-2 दूसरे घर एवं आने वाली पीढ़ी को भी शिक्षित करती है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि किस-2 प्रकार से एस शिक्षित स्त्री ने राष्ट्र को गौरवान्वित किया हैं। चाहे वह समाज का कोई भी क्षेत्र हो, स्त्री से कोई अछूता नही रहा हैं। चाहे वह एक गृहिणी हो तो भी तथा यदि वह एक साक्षर, सजग सामाजिक व्यक्ति है तो भी उसके योगदान को नकारा नहीं जा सकता। जहाँ वह अवस्थानुसार मोक्ष के समान कोमल हो जाती है तो वह आवश्यकता पड़ने पर पत्थर के समान कठोर भी हो जाती है। आज समाज में स्त्रियां राजनैतिक, धार्मिक, व्ययसायिक प्रत्येक क्षेत्र में पुरूष से भी आगे निकल चुकी है। उनके इस योगदान को सराहते हुए प्राचार्या द्वारा पंक्तियां कही गई कि-

लड़कियां जब ठान लेती स्वयं मन में
हौसलें से छेदकर देती गमन में
सागरों पर भी विजय उनको मिली है
लांघ लेती है हिमालय एक क्षण में।।

छात्राओं से आशा भी की गई कि वे भी महाविद्यालय से शिक्षित होकर जाए तो प्रत्येक क्षेत्र में अपना दायित्त्व निर्वाह करें। अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना की संयोजिका डॉ. मनजीत कौर ने प्राचार्या को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविकाओं को प्रण दिलाया कि वे स्वयं साक्षर होने के साथ-साथ अपने आस-पास कम से कम एक व्यक्ति को अवश्य साक्षर करेगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना सदस्य प्राध्यापिका कुमारी कुसुम लता, अंग्रेजी विषय के प्राध्यपक डॉ. रघुवीर सिंह गोलन एवं छात्राऐं उपस्थित रही।

पंजाब केसरी (१/९/१७)

2017-18

साक्षर होना लिपि के ज्ञान से परिचित होना : डा. विजयलक्ष्मी

कार्यक्रम में विचार व्यक्त करती डा. विजयलक्ष्मी व उपस्थिति।

कुरुक्षेत्र, 8 सितम्बर (का.प्र.): दयानंद महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा राष्ट्र निर्माण में स्त्री शिक्षा का योगदान विषय पर विस्तार भाषण का आयोजन करवाया।

इस अवसर पर मुख्यातिथि महाविद्यालय की प्राचार्या डा. विजयलक्ष्मी सिंह थी।

उन्होंने छात्राओं को साक्षरता दिवस के महत्व से परिचित करवाते हुए कहा कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यही है कि विश्व में कोई भी निरक्षर न रहे।

साक्षर होना लिपि के ज्ञान से परिचित होना है किंतु इसी लिपि के ज्ञान को समाज में प्रसारित करना भी हमारा ध्येय है। ईश्वर ने समान रूप सभी को बुद्धि एवं गुण निधि प्रदान की है। इतिहास इस बात का साक्षी है कि किस-किस प्रकार से शिक्षित स्त्री ने राष्ट्र को गौरवान्वित किया है।

स्त्रियां राजनीतिक, धार्मिक, व्यावसायिक प्रत्येक क्षेत्र में पुरुष से आगे निकल चुकी हैं।

अंत में राष्ट्रीय सेवा योजना की संयोजिका डा. मनजीत कौर ने प्राचार्या को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा उन्होंने राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेविकाओं को प्रण दिलवाया कि वे स्वयं साक्षर होने के साथ आस-पास कम से कम एक व्यक्ति को अवश्य साक्षर करेंगी। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना सदस्य प्राध्यापिका कुसुमलता, अंग्रेजी विषय के प्राध्यापक डा. रघुवीर सिंह गोलन एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

दैनिक जागरण (१/९/१७)

भाषण में महिला शिक्षा पर दिया जोर

जासं, **कुरुक्षेत्र** : दयानंद महिला महाविद्यालय में राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा राष्ट्र निर्माण में स्त्री शिक्षा का योगदान विषय पर विस्तार भाषण का आयोजन कराया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. विजयलक्ष्मी सिंह ने छात्राओं को साक्षरता दिवस के महत्व से परिचित कराया।

उन्होंने कहा कि इस दिवस को मनाने का मुख्य उद्देश्य यही है कि कोई भी विश्व में निरक्षर न रहे। साक्षर होना लिपी के ज्ञान से परिचित होना है। किंतु इसी लिपी के ज्ञान को समाज में प्रसारित करना भी हमारा ध्येय है। शिक्षा हमें एक भाव प्रदान करती है- विनम्रता। यदि यह भाव व्यक्ति के पास होता है तो वह स्वयं को किसी भी ढांचे में ढाल सकता हैं। ईश्वर ने समान रूप सभी को बुद्धि एवं गुण निधि प्रदान की है। शिक्षा ही ऐसा स्त्रोत है जो इन गुणों को तराशने का कार्य करती है। उस शिक्षा से हमारा परिचय कराने वाला शिक्षक होता है। जिसका यह दायित्व होता है कि वह अपने छात्र को स्वाभिमानी, दृढ़-संकल्पी एवं आत्म-विश्वासी बनाए। एक बालक के लिए प्रथम गुरू मां को कहा गया है। विश्व का श्रेष्ठ वक्ता चाहे कोई भी हो, किंतु उसे शब्द देने वाली मां ही होती है। वह न केवल एक घर को अपितु अपने साथ-2 दूसरे घर एवं आने वाली पीढ़ी को भी शिक्षित करती है।

Extension Lecture on Literacy Day Total 56

S.No.	NAME	CLASS	ROLL No.
1.	Kajal	B. A-Ist	1531420028
2.	Monika	"	57
3.	Simranjeet Kaur	"	69
4.	Mehak	"	86
5.	Shagun	"	89
6.	Suneha	"	90
7.	Rajni	"	177
8.	Sapna	"	188
9.	Swati	"	239
10.	Dipali	B.A-Ist [f.S]	1614520002
11.	Manpreet Kaur	"	05
12.	Aanchal	"	44
13.	Mahak	"	49
14.	Preeti Yadav	B.A-IInd	3119
15.	Neha Rani	"	3128
16.	Deepika	"	3219
17.	Poonam Rani	"	3223
18.	Anjali	"	3287
19.	Aarti	"	3304
20.	Sapna Devi	"	3314
21.	Manisha	"	3606
22.	Ramandeep	"	3298
23.	Gulfasha Khatun	"	3257
24.	Sangeeta Devi	"	3279
25.	Mamta Devi	"	3253
26.	Sonia	"	3198
27.	Deepa	B.A-IIIrd	2508
28.	Pooja	"	2586
29.	Anu	"	2695
30.	Suman	"	2670

31.	Savita	B. A-III rd	2642
32.	Manju Bala	"	2763
33.	Poonam	"	2835
34.	Anju Rani	"	2516
35.	Vanesh Rani	"	2558
36.	Garima	"	2574
37.	Pooja	"	2586
38.	Kiranjeet Kaur	"	2601
39.	Manisha Rani	B. Com-Ist	1531620050
40.	Harpreet Kaur	"	62
41.	Geeta Rani	B. Com-IInd	3505
42.	Monika	"	3589
43.	Vidhi Bajaj	"	3590
44.	Muskan	"	3779
45.	Vinamrata	B. Sc-III rd [N.M]	6107
46.	Esha	"	6110
47.	Suman	"	6111
48.	Tejaswini	"	6117
49.	Shikha	"	6129
50.	Kirti	"	6131
51.	Savita	"	6132
52.	Kartik	"	6142
53.	Anju	"	6153
54.	Alka Rani	"	6162
55.	Nikita	"	6170
56.	Navneet Malik	"	6196

Extension lecture on world literacy day

8-09-017